॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 01 जनवरी, 2025

नववर्ष के अवसरपरमाननीय कुलपतिजी ने विश्वविद्यालय परिवारकोदी शुभकामनाएं

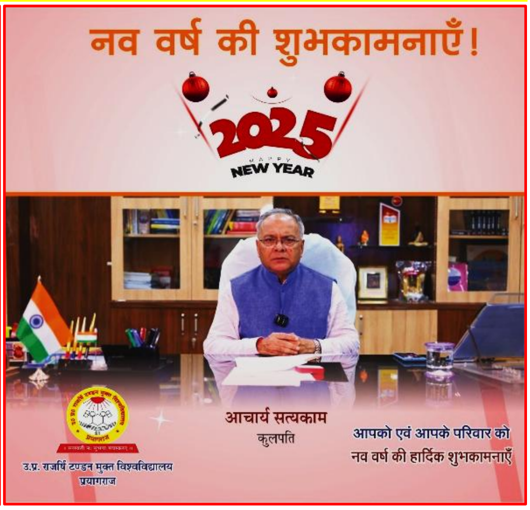

माननीय कुलपतिजीकोनववर्ष की शुभकामनाएंदेतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की माननीयकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने विश्वविद्यालय परिवारकोनववर्ष की शुभकामनाएंदी एवंसमयबद्ध कार्यशैलीअपनायेजानेहेतुप्रेरितकिया।विश्वविद्यालय परिवारसभीसदस्योंने भीमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोनववर्ष की बधाईदी एवं उनके नेतृत्व क्षमता व योगदान की सराहनाकरतेहुए भविष्य मेंविश्वविद्यालय कोऔरउचाईयोंपरलेजानेमेंसहयोगकरने का वादाकिया।

माननीय कुलपतिजीकोनववर्ष की शुभकामनाएंदेतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीय कुलपतिजीकोनववर्ष की शुभकामनाएंदेतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीय कुलपतिजीकोनववर्ष की शुभकामनाएंदेतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

अपने युवा

आंगनबाड़ी कार्यकत्री को मुक्त विवि पढ़ाएगा 'बाल मनोविज्ञान'

पाठ्यक्रम तैयार

- बाल स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा सार्टिफिकेट के नाम से कोर्स तैयार
- आंगनबाड़ी कार्यकत्री बच्चों की मनोदशा को आसानी से समझ सकेंगी

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल के सुझाव पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए बाल स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा नाम से सार्टिफिकेट कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार हो गया हैं और अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। इस पाठ्यक्रम का संचालन शैक्षिक सत्र 2025 से होगा।

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विद्या शाखा की प्रभारी निदेशक प्रो. मीरा पाल ने बताया कि इस नए पाठ्यक्रम के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य होगा। यह पाठ्यक्रम सूबे की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है ताकि वह आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की मनोदशा को समझकर उनके अनुसार अध्ययन कराएं। इस पाठ्यक्रम में बाल मनोविज्ञान, बाल स्वास्थ्य, बाल आहार, शरीर पोषण, स्वचछता, महिला सशक्तीकरण, टीका करण और जागरूकता को शामिल किया गया है। यह पाठ्यक्रम छह माह का होगा।

कुम्भ स्टडीज में जनवरी सत्र से होगा प्रवेश

मुविवि जनवरी 2025 सत्र से कुम्भ पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू कर रहा है। नए पाद्यक्रम का नाम सर्टिफिकेट इन कुम्भ स्टडीज है। शिक्षार्थियों को कुम्भ के माहात्म्य, भीड़ प्रबंधन, संस्कृति, लोक कथाओं आदि से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अध्ययन का मौका मिलेगा। इसकी पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थी अपने स्तर से प्रिंटआउट निकाल सकते हैं। पाद्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है, जो शिक्षार्थियों के रोजगार में सहायक हो। पर्यटन और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

तीर्थयात्रियों, पर्यटकों को दिखाएंगे राह

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से ह्यकुम्भ गाइड प्रशिक्षण कार्यशालाह्न का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति प्रो. सत्यकाम के निर्देशानुसार, विश्वविद्यालय के शोध छात्र, बीएड (विशिष्ट शिक्षा) तथा एमबीए शिक्षार्थियों के लिए तीन जनवरी को सुबह 11 बजे से कार्याशाला शुरू होगी। महाकुम्भ 2025 में देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित गाइड तैयार करना इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। यह कार्यशाला न केवल छात्रों को सेवा का अवसर प्रदान करेगी, बल्कि उन संवाद कौशल, प्रबंधन, और सांस्कृतिक ज्ञान के क्षेत्र में अनुभव हासिल करने में भी मददगार होगी। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम करेंगे। कार्यशाला के समन्वय प्रो. विनोद कुमार गुप्त, आयोजन सचिव के रूप में डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह अ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

दैनिक जागरण
www.jagran.com

तीर्थयात्रियों की मदद करेंगे मुक्त विवि के एमबीए छात्र

- प्रशिक्षण पूरा होने के बाद कुंभ मेला में दिखाएंगे तीर्थयात्रियों को राह
- भीड़ के साथ काम करते हुए नेतृत्व और टीमवर्क का होगा अभ्यास

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर : महाकुंभ मेले में तीर्थयात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के छात्रों को प्रशिक्षित गाइड के रूप में महाकुंभ में उतारेगा। यह एमबीए छात्र अहम भूमिका निभाते हुए एक गाइड के रूप में कार्य करेंगे, इनकी भूमिका न केवल तीथयात्रियों को दिशा देने की होगी, बल्कि वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतिनिधित्व भी करेंगे। जिससे श्रद्धालुओं के लिए यह विशाल धार्मिक आयोजन अधिक व्यवस्थित और सुगम बनेगा।

इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने शोध छात्रों, बीएड (विशिष्ट शिक्षा) तथा एमबीए शिक्षार्थियों के लिए एक विशेष 'कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन शुक्रवार को करने जा रहा है। इसमें छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद ये छात्र महाकुंभ के दौरान विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करेंगे। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि महाकुंभ में लाखों श्रद्धाल आते हैं, जिनमें से कई पहली बा यात्रा करते हैं। ऐसे में तीर्थयात्रियों क समय पर सही जानकारी और मद मिलने से तीर्थयात्रा का अनुभव सुग और आनंदमय बनेगा।

कौशल सीखने का मिलेगा अवसर

महाकुंभ में गाइड के रूप में कार्य करने से छात्रों को बड़े पैमाने पर भीड़ के साथ काम करते हुए नेतृत्व और टीमवर्क का अभ्यास होगा। साथ ही वास्तविक जीवन में आयोजन और प्रबंधन और समाज के लिए योगदान देने का अनुभव मिलेगा। कुलपति ने कहाकि इससे कुंभ मेले को अधिक संगठित और सुव्यवस्थित बनाने में मदद के साथ युवाओं को समाजसेवा और प्रबंधन के बीच एक आदर्श संतुलन बनाने का अवसर भी मिलेगा।

अमर उजाला
प्रयागराज | शुक्रवार, 3 जनवरी 2025

महाकुंभ के लिए गाइड तैयार करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

शोधार्थियों, बीएड और एमबीए शिक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय महाकुंभ के लिए गाइड तैयार करेगा। इसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का सुबह 11 बजे से आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शोधार्थियों के साथ बीएड (विशिष्ट शिक्षा) व एमबीए के शिक्षार्थी शामिल होंगे।

महाकुंभ में तीर्थयात्रियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए मुक्त विश्वविद्यालय अपने शोधार्थियों व शिक्षार्थियों को गाइड के तौर में उतारेगा। इसके लिए शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये शिक्षार्थी गाइड के तौर पर महाकुंभ के दौरान अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

कुंभ गाइड तीर्थयात्रियों को घाटों, पूजा स्थलों, शिविरों और भोजन वितरण स्थलों तक पहुंचाने में मदद करेंगे। ब्यूरो

03 जनवरी, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय मेंकुम्भगाइडप्रशिक्षणकार्यशाला का

मुक्तविश्वविद्यालय महाकुंभमें श्रद्धालुओं की हरसंभवसेवा एवंसहायताकोतत्पर

कुम्भगाइडप्रशिक्षणकार्यशालामेंस्वयंसेवकोंकोदीजिम्मेदारी

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपतिजी के निर्देशानुसारकुम्भगाइडप्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजनदिनांक 03 जनवरी, 2025 कोपूर्वाह्न 11:00 बजेविश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारआयोजित की गयी।कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षकउषाकुशवाहा, भारतस्काउट एंडगाइडरही।उक्तकार्यशाला की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

दीपप्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए प्रो0 छत्रसाल सिंह

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतेहुए श्रीनिकेत सिंह

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छ एवंअंगवस्त्र भेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

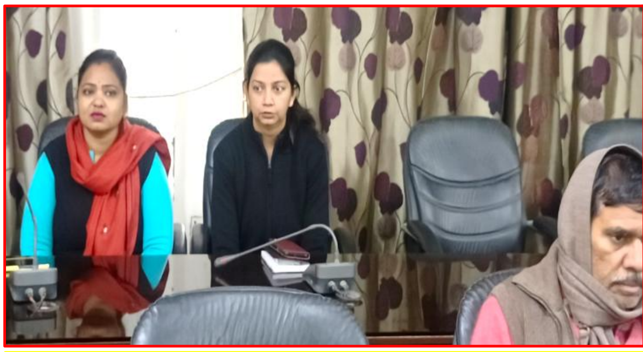

कार्यशाला के प्रारंभमेंवाचिकस्वागत एवंविषय प्रवर्तनकार्यक्रमसमन्वयकप्रो0विनोद कुमारगुप्त ने किया । कार्यक्रम का संचालन प्रो0 छत्रसाल सिंह ने तथाधन्यवादज्ञापनआयोजनसचिव डॉ दिनेश सिंह ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभदीपप्रज्वलन एवंसरस्वतीप्रतिमापरमाल्यार्पणकरकि यागया। इस अवसरपरनिदेशकगण, आचार्यगण, सहआचार्यगण, सहायकआचार्यगणसहित शोधार्थी एवंप्रशिक्षुउपस्थितरहे।

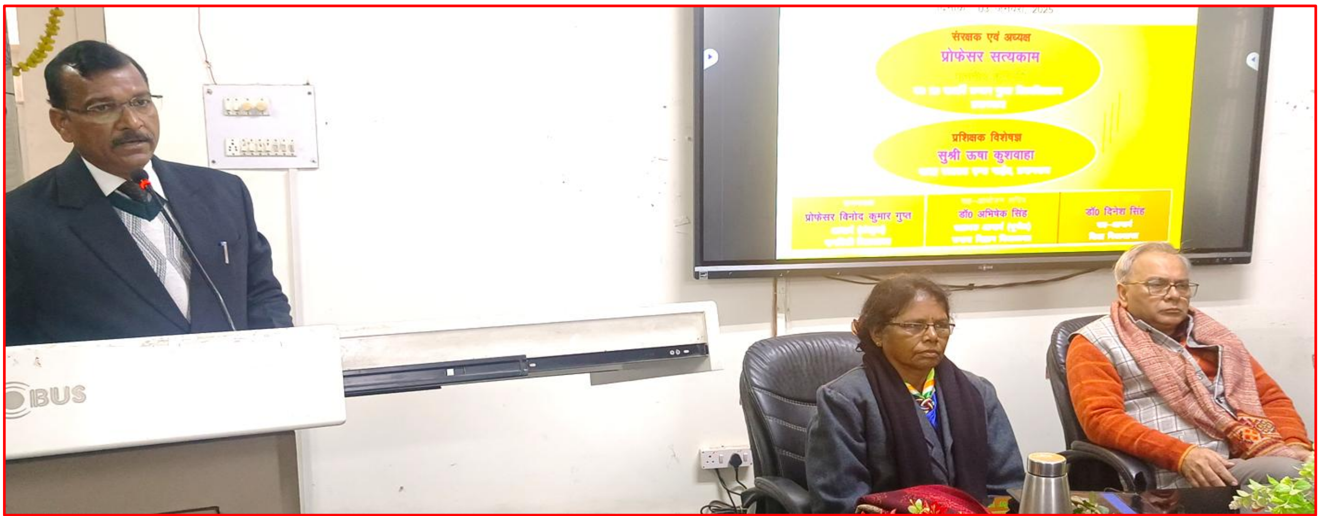

वाचिकस्वागत एवंविषय प्रवर्तनकरतेहुए कार्यक्रमसमन्वयकप्रो0विनोदकुमारगुप्त

श्रद्धालुओंकोप्रमुख सहायताशिविरोंतकपहुंचानेमेंगाइड की भूमिकाअत्यन्तमहत्वपूर्णहोगी : प्रोफेसरसत्यकाम

प्रशिक्षणकार्यशाला की अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय महाकुंभ क्षेत्र मेंआनेवालेस्नानार्थियों की मदद के लिए गाइडतैयारकरवारहाहै।जोकुंभ क्षेत्र मेंरहकरलोगोंकोसहायताप्रदानकरेंगे।उन्होंनेइसकेलिए विद्यार्थियोंकोसामाजिककर्तव्य मेंअपनीपूर्णभागीदारीदेने के लिए प्रेरितकिया । उन्होंनेप्रयागराज के लोगोंऔरविश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारी एवंशिक्षकोंकोभाग्यशालीबताया।कहांकिहमेंविश्वविख्यातकुंभमेले की मेजबानीकरने का सुअवसर मिल रहाहै । ऐसेसुअवसरमेंहमाराविश्वविद्यालय परिवारमहाकुंभमेंआए हुए श्रद्धालुओं की हरसंभवसहायता एवंसेवाकरअपनेसामाजिकदायित्व का निर्वहनकरसकताहै।प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि यहांप्राप्तहोनेवालाप्रशिक्षणकुंभमेंआनेवालेलोगों की सहायता के साथ–साथसभीप्रशिक्षुओं के लिए आजीवनउपयोगीहोगा।प्रयागराजमहाकुम्भ 2025 के दृष्टिगतमेलेमेंआनेवाले श्रद्धालुओंकोप्रमुख सहायताशिविरोंतकपहुंचानेमेंगाइड की भूमिकाअत्यन्तमहत्वपूर्णहोगी।

महाकुम्भ का महत्वआध्यात्मिक व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्णहै : उषाकुशवाहा

मुख्य प्रशिक्षकउषाकुशवाहा, भारतस्काउट एंडगाइडने कहाकिमहाकुम्भ का महत्वआध्यात्मिक व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्णहै।देशविदेश के श्रद्धालुआस्तिकबुद्धि के साथकुम्भमेंस्नानकरपुण्य लाभअर्जन के लिए आतेहैं।वेस्नान के साथ–साथप्रयागराज के आसपास के तीर्थस्थलों का भ्रमण एवंउसकीजानकारीभीप्राप्तकरनाचाहतेंहै। इस बारेमेंप्रशिक्षकसुश्रीउषाकुशवाहा ने द्वादशमाधव, समुद्रगुप्त, उल्टाकिला, मनकामेश्वरमंदिर, हार्टकेश्वरनाथ, नागवासुकी, कोटेश्वरमहादेव, अलोपशंकरीआदि के विषय मेंप्रशिक्षुओंकोजानकारीउपलब्धकरायी।

गाइडजिसकामकसद युवाओंमेंआत्मनियंत्रण, समाजसेवाऔरदेशभक्तिजैसेमूल्योंकोविकसितकरनाहोताहैजो युवाओंकोअच्छेनागरिकबनाने के लिए तैयारकरताहै।कुंभगाइड का उद्देश्य चरित्र का गठन, स्वस्थआदतों का निर्माण,हस्तकलामेंप्रशिक्षणऔरउपयोगीकौशलहासिलकरनातथासेवा की एक उचितभावनाविकसितकरनाहै।कुंभगाइडहनुमानमंदिरबंधवा, कंट्रोल रूम, ट्रैफिककंट्रोल, झूंसीपुल, चुंगी बस स्टैंड, सिविललाइन,रेलवेस्टेशन, संगम, वीआईपी घाट,संगमनोज, प्राथमिकसहायताकेंद्र, पूछताछकेंद्र,आपदाराहतआदिप्रमुख स्थानोंपरसहायताकरने के लिए लगायेजाएं।

शोधार्थी एवंप्रशिक्षुकोसर्टिफिकेटदेतेहुए आयोजनसमिति के सदस्यगण

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ दिनेश सिंह

03 जनवरी, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर का विमोचन

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर का विमोचनकरतेहुए
माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंअन्य

दिनांक 3 जनवरी 2025 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंहोनेवालेअंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर का विमोचनमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी द्वाराकियागया।अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशरविमोचन के शुभअवसरपरकुलसचिव,कर्नलविनय कुमार, निदेशकविज्ञानविद्याशाखा,प्रोफेसरआशुतोषगुप्ता,प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिक, प्रोफेसरमीरापाल, डॉ0ज्ञानप्रकाश यादव, डॉ0 सी0 के0 सिंह, डॉ0अभिषेक सिंह, डॉ0दिनेशकुमारगुप्ताएवंडॉ0अनुजकुमार सिंह इत्यादिउपस्थितरहे।

संगम से शहर तक तैनात रहेंगे मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र

- कुंभ गाइड कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने दिया विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रशिक्षण
- संगम नोज, हनुमान मंदिर, झूंसी पुल, सिविल लाइंस, रेलवे स्टेशन पर रहेंगे तैनात

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सहायता के विशेष गाइड्स तैयार करने की पहल उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने की है। इसके तहत शुक्रवार को विश्वविद्यालय में कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने इस पहल को सामाजिक सेवा का अनूठा अवसर बताया। उन्होंने कहाकि कुंभ जैसे वैश्विक आयोजन में भागीदारी करना प्रयागराज और विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। कुलपति ने प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहाकि यह प्रशिक्षण न केवल मेले में आने वाले स्नानार्थियों की सहायता करेगा बल्कि उनके जीवन में उपयोगी सिद्ध होगा। कुंभ गाइड का उद्देश्य चरित्र का गठन, स्वस्थ आदतों का निर्माण, हस्तकला में प्रशिक्षण और उपयोगी कौशल हासिल करना तथा सेवा की एक उचित भावना विकसित करना है।

कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. सत्यकाम • सौ. मुविवि

मुख्य प्रशिक्षक उषा कुशवाहा ने कुंभ मेले के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षकों ने बताया कि श्रद्धालु न केवल स्नान के लिए बल्कि इन तीर्थ स्थलों का भ्रमण करने के उद्देश्य से भी कुंभ मेले में आते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गाइड्स को संगम नोज, हनुमान मंदिर, कंट्रोल रूम, ट्रैफिक कंट्रोल, झूंसी पुल, सिविल लाइंस, रेलवे स्टेशन, वीआइपी घाट और प्राथमिक सहायता केंद्रों पर तैनात किया जाएगा। इससे पूर्व आयोजन सचिव डा. दिनेश सिंह ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बताया। संचालन प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया, जबकि विषय प्रवर्तन का कार्य आचार्य विनोद कुमार गुप्त ने किया। विश्वविद्यालय के निदेशक, आचार्यगण, सहायक आचार्यगण, शोधार्थी, और प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

बांसुरी नगरी
कलम से सत्यता की ओर
RNI.NO-UPHIN/2023/88833
वर्ष- 02 अंक -36 | पीलीभीत से प्रकाशित

महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्राची अस्पताल के प्रबंधक श्री राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।

डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ यभगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें।

इसके अलावाए उन्होंने कीड़े या बिच्छू के काटने पर तत्काल उठाए जाने वाले उपायों पर भी प्रकाश डाला। डॉ संतोष ने बताया कि उल्टी होने, छाती में दर्द या अन्य गंभीर परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और सीपीआर देने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा किट बनाने के तरीके और उसमें शामिल आवश्यक वस्तुओं जैसे पट्टियां, एंटीसेप्टिक क्रीम, पेन किलर, थर्मामीटर, बैंडेज और अन्य जरूरी सामग्री के बारे में भी बताया। उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम और ज्यादा होने पर तुरंत क्या उपाय करने चाहिए इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर लो होने पर व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊंचा करना चाहिए और उसे नमक पानी का घोल या मीठा पेय देना लाभकारी हो सकता है।

ब्लड प्रेशर हाई होने पर व्यक्ति को शांत रखने, गहरी सांस लेने के लिए कहने और नमकीन या तैलीय खाद्य पदार्थों से बचाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए।

डॉ संतोष ने ब्लड शुगर के स्तर पर भी चर्चा की। शुगर लो होने पर व्यक्ति को तुरंत ग्लूकोज, चीनी, चॉकलेट या मीठा पेय देना चाहिए ताकि शुगर का स्तर सामान्य हो सके। वहीं शुगर हाई होने पर इंसुलिन या डॉक्टर की सलाह अनुसार उपाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति को सुरक्षित और आरामदायक स्थिति में रखकर बिना देरी के नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा। उन्होंने बेहतर संयोजन के लिए प्रोफेसर मीरा पाल की सराहना की।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन

महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

प्रयागराज ब्यूरो। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें।

कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

प्राची अस्पताल के प्रबंधक श्री राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।

डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें।

• वर्ष : 17
• अंक : 322
• प्रातः कालीन संस्करण
• लखनऊ
• मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024
• पृष्ठ : 08
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुक्त विवि में दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला आयोजित

▶▶ कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने कराया नामांकन

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रो सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रो मीरा पाल ने कुलपति सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया। डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें।उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा। उन्होंने बेहतर संयोजन के लिए प्रोफेसर मीरा पाल की सराहना की।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 05 अंक : 28 प्रयागराज, मंगलवार, 31 दिसम्बर, 2024, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

महाकुंभ-2025 के लिए मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का दिया गया प्रशिक्षण

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें।इसके अलावाए उन्होंने कीड़े या बिच्छू के काटने पर तत्काल उठाए जाने वाले उपायों पर भी प्रकाश डाला। डॉ संतोष ने बताया कि उल्टी होने, छाती में दर्द या अन्य गंभीर परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और सीपीआर देने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा किट बनाने के तरीके और उसमें शामिल आवश्यक वस्तुओं जैसे पट्टियां, एंटीसेप्टिक क्रीम, पेन किलर, थर्मामीटर, बैंडेज और अन्य जरूरी सामग्री के बारे में भी बताया। उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।डॉ संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम और ज्यादा होने पर तुरंत क्या उपाय करने चाहिए इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर लो होने पर व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊंचा करना चाहिए और उसे नमक पानी का घोल या मीठा पेय देना लाभकारी हो सकता है।

RNI No. : UPHIN/2022/84137 हिन्दी दैनिक - प्रातःसंस्करण E-mail: pawanprayag22@gmail.com

वर्ष : 03, अंकः 07
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 4
प्रयागराज
मंगलवार
31 दिसम्बर, 2024

पावन प्रयाग

महाकुंभ के लिए राजर्षि टंडन मुविवि के शिक्षकों का शुरू हुआ दो दिवसीय प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

पावन प्रयाग संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें।

इसके अलावाए उन्होंने कीड़े या बिच्छू के काटने पर तत्काल उठाए जाने वाले उपायों पर भी प्रकाश डाला। डॉ संतोष ने बताया कि उल्टी होने, छाती में दर्द या अन्य गंभीर परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और सीपीआर देने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा किट बनाने के तरीके और उसमें शामिल आवश्यक वस्तुओं जैसे पट्टियां, एंटीसेप्टिक क्रीम, पेन किलर, थर्मामीटर, बैंडेज और अन्य जरूरी सामग्री के बारे में भी बताया। उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।डॉ संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम और ज्यादा होने पर तुरंत क्या उपाय करने चाहिए इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर लो होने पर व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊंचा करना चाहिए और उसे नमक पानी का घोल या मीठा पेय देना लाभकारी हो सकता है।ब्लड प्रेशर हाई होने पर व्यक्ति को शांत रखने, गहरी सांस लेने के लिए कहने और नमकीन या तैलीय खादय पदार्थों से बचाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए।डॉ संतोष ने ब्लड शुगर के स्तर पर भी चर्चा की। शुगर लो होने पर व्यक्ति को तुरंत ग्लूकोज, चीनी, चॉकलेट या मीठा पेय देना चाहिए ताकि शुगर का स्तर सामान्य हो सके। वही शुगर हाई होने पर इंसुलिन या डॉक्टर की सलाह अनुसार उपाय अपनाने की सलाह दी।उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति को सुरक्षित और आरामदायक स्थिति में रखकर बिना देरी के नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा।

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 31 | अंक :59
प्रतापगढ़ | मंगलवार ,31 दिसम्बर -2024
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन — प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें।
कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया।
इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।
प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।
डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।
कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा। उन्होंने बेहतर संयोजन के लिए प्रोफेसर मीरा पाल की सराहना की।

प्रयाग प्रभात

वर्ष: 14 अंक: 212 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 30 दिसंबर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्य शाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। । इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर

सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया। डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें। इसके अलावाए उन्होंने कीड़े या बिच्छू के काटने पर तत्काल उठाए जाने वाले उपायों पर भी प्रकाश डाला। डॉ संतोष ने बताया कि उल्टी होने, छाती में दर्द या अन्य गंभीर परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और सीपीआर देने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा किट बनाने के तरीके और उसमें शामिल आवश्यक वस्तुओं जैसे पट्टियां, एंटीसेप्टिक क्रीम, पेन किलर, थर्मामीटर, बैंडेज और अन्य जरूरी सामग्री के बारे में भी बताया। उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपात कालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। डॉ संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम और ज्यादा होने पर तुरंत क्या उपाय करने चाहिए इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर लो होने पर व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊंचा करना चाहिए और उसे नमक पानी का घोल या मीठा पेय देना लाभकारी हो सकता है। ब्लड प्रेशर हाई होने पर व्यक्ति को शांत रखने, गहरी सांस लेने के लिए कहने और नमकीन या तैलीय खाद्य पदार्थों से बचाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। डॉ संतोष ने ब्लड शुगर के स्तर पर भी चर्चा की। शुगर लो होने पर व्यक्ति को तुरंत ग्लूकोज, चीनी, चॉकलेट या मीठा पेय देना चाहिए ताकि शुगर का स्तर सामान्य हो सके। वहीं शुगर हाई होने पर इंसुलिन या डॉक्टर की सलाह अनुसार उपाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति को सुरक्षित और आराम दायक स्थिति में रखकर बिना देरी के नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा। उन्होंने बेहतर संयोजन के लिए प्रोफेसर मीरा पाल की सराहना की।

समय से पहले 'समय' पर नजर — नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26

वर्ष 43 अंक 08 प्रयागराज मंगलवार 31 दिसम्बर, 2024 संस्थापक-स्व० डा० रघुवीर चन्द जिन्दल पृष्ठ 12 मूल्य ₹3.00

महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकों को दिया गया प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें।कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया।इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया।इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया।डॉ संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।

https://twitter.com/nyayadheeshald

---

www.anandimail.in

आनंदी मेल

वर्ष-16 अंक- 109 (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 4 मूल्य : 2 रूपए

महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा दो दिवसीय निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यशाला के पहले दिन प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज के सहयोग से निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। सरस्वती परिसर में आयोजित इस कार्यशाला में कुलपति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशालाओं की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे समाज में इस ज्ञान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के उपरांत महाकुंभ में वह इस विधा का प्रयोग अवश्य करें। कार्यशाला के प्रति विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रोफेसर मीरा

पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं प्राची अस्पताल, फाफामऊ प्रयागराज की टीम का स्वागत किया। कार्यशाला में 70 से अधिक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने नामांकन कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डा.संतोष मिश्रा ने प्राथमिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं और तकनीकों पर व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्राची अस्पताल के प्रबंधक राहुल सिंह ने आयोजन में विशेष योगदान दिया। कार्यशाला में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया। डा.संतोष ने प्राथमिक चिकित्सा तथा फर्स्ट एड के महत्व को समझाते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फ्रैक्चर होने पर हड्डी को स्थिर कैसे करें। हाथ पैर टूटने पर क्या करें, बेहोश होने की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाएं, सांस फूलने पर राहत कैसे दें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थिति में घायल व्यक्तियों की मदद कैसे करें और करंट लगने पर प्राथमिक उपचार कैसे करें। इसके अलावाए उन्होंने कीड़े या बिच्छू के काटने पर तत्काल उठाए जाने वाले उपायों पर भी प्रकाश डाला। डा.संतोष ने बताया कि उल्टी होने,छाती में दर्द या अन्य गंभीर परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और सीपीआर देने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

उन्होंने प्राथमिक चिकित्सा किट बनाने के तरीके और उसमें शामिल आवश्यक वस्तुओं जैसे पट्टियां, एंटीसेप्टिक क्रीम, पेन किलर,थर्मामीटर, बैंडेज और अन्य जरूरी सामग्री के बारे में भी बताया। उनकी जानकारी ने सभी प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थितियों में आत्मनिर्भर बनने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। डा.संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम और ज्यादा होने पर तुरंत क्या उपाय करने चाहिए इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लड प्रेशर लो होने पर व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊंचा करना चाहिए और उसे नमक पानी का घोल या मीठा पेय देना लाभकारी हो सकता है। ब्लड प्रेशर हाई होने पर व्यक्ति को शांत रखने, गहरी सांस लेने के लिए कहने और नमकीन या तैलीय खाद्य पदार्थों से बचाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। डॉ संतोष ने ब्लड शुगर के स्तर पर भी चर्चा की। शुगर लो होने पर व्यक्ति को तुरंत ग्लूकोज, चीनी, चॉकलेट या मीठा पेय देना चाहिए ताकि शुगर का स्तर सामान्य हो सके। वहीं शुगर हाई होने पर इंसुलिन या डॉक्टर की सलाह अनुसार उपाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति को सुरक्षित और आरामदायक स्थिति में रखकर बिना देरी के नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अमित सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुराग शुक्ला ने किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन मंगलवार को होगा। उन्होंने बेहतर संयोजन के लिए प्रोफेसर मीरा पाल की सराहना की।

08 जनवरी, 2025

राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंजनवरी सत्र के प्रवेश शुरू

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रवेशसंबंधीकार्यक्रमों की जानकारी से सुसज्जित एडमिशनब्रोशर का भीविमोचनकिया

प्रवेशप्रक्रिया सत्र जनवरी–2025 का शुभारम्भकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी 2025 की प्रवेशप्रक्रियाकोबुधवारदिनांक 08 जनवरी, 2025 कोप्रारम्भकरदिया। इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रवेशसंबंधीकार्यक्रमों की जानकारी से सुसज्जित एडमिशनब्रोशर का भीविमोचनकिया।

उद्घाटन सत्र मेंस्पॉट एडमिशनलेनेवाले एम ए राजनीतिविज्ञानप्रथमवर्ष के छात्र गोपीचरन यादवकोकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने अपनेहाथों से पाठ्यसामग्रीप्रदानकी।गोपीचरन ने बतायाकिप्रतियोगीपरीक्षाओं के लिए मुक्तविश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्रीस्तरीय होने के कारणउन्होंनेदूरस्थशिक्षा से पढ़ाईकरने का निर्णय लिया।

प्रारंभमेंप्रवेशप्रभारीप्रोफेसरजयप्रकाश यादव ने ऑनलाइनप्रवेशप्रक्रिया की विस्तार से जानकारीदी।आंतरिकगुणवत्तासुनिश्चयनप्रकोष्ठ के निदेशकप्रोफेसरआशुतोषगुप्ता ने कुलपति का स्वागततथाकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने धन्यवादज्ञापितकिया। इस अवसरपरविभिन्नविद्या शाखाओं के निदेशक एवंप्रभारीगणउपस्थितरहे।

प्रवेशसंबंधीकार्यक्रमों की जानकारी से सुसज्जित एडमिशनब्रोशर का विमोचनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंअन्य

स्पॉट एडमिशनलेनेवाले एम ए राजनीतिविज्ञानप्रथमवर्ष के छात्र गोपीचरन यादवकोअपनेहाथों से पाठ्यसामग्रीप्रदानकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

ऑनलाइनप्रवेशप्रक्रिया की विस्तार से जानकारीदेतेहुए प्रवेशप्रभारीप्रोफेसरजयप्रकाश यादव

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

विश्वविद्यालय की सत्र जनवरी 2025 की प्रवेशप्रक्रिया का शुभारंभकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिविश्वविद्यालय ने इस बारप्रवेशप्रक्रियाकोबहुतसरल एवंसुलभबनायागयाहै।छात्रोंकोआवेदनकरनेमेंकिसीभीप्रकार की कठिनाई का सामनानहींकरनापड़ेगा। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसारछात्रोंकोअपनाआधारऔरमोबाइलनंबरलिंककरने के पश्चातहीप्रवेशप्रक्रियासंपादित की जाएगी।विश्वविद्यालय के दक्ष तकनीकीविशेषज्ञों ने इस प्रक्रियाकोअत्यंतसरलीकृत करदियाहैजिससेछात्रोंकोफॉर्मभरनेमेंकिसीभीतरह की परेशानी का सामनानहींकरनापड़ेगा।प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिविश्वविद्यालय जनवरी सत्र मेंसभीप्रवेशराष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूपकरनेको कृत संकल्पितहै।डिजिटलक्रांति के इस कालखंडमेंमुक्तविश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों के सुविधाकोध्यानमें रखकरप्रवेश की ऑनलाइनव्यवस्थासुनिश्चित की है।मुक्तविश्वविद्यालय गुणात्मकशिक्षा की आकांक्षा रखनेवालेहरव्यक्तितकउच्चशिक्षा कोसुलभबनाने के लिए अग्रसरहै।विश्वविद्यालय ने जनवरी सत्र में 23 परास्नातककार्यक्रमों, 8 स्नातककार्यक्रमों, 10 जागरूकताकार्यक्रमों, 22 डिप्लोमाकार्यक्रमोंतथा 48 प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेशप्रारंभकियाहै।

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रवेश के उद्घाटन सत्र मेंऑनलाइनजुड़ेहुए सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रोंप्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसीतथागोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकोंकोनिर्देशितकियाकिवहकेंद्रपरआनेवालेछात्रों की हरसंभवसहायताकरेंजिससेउन्हेंप्रवेशलेते समय किसीभीतरह की दिक्कत का सामना न करनापड़े।इसकेसाथहीउन्होंनेसमन्वयकों से आधिकाधिकलोगोंतकप्रवेश की जानकारीपहुंचाने के लिए विभिन्नसोशलमीडियामाध्यमों का उपयोगकरने की सलाहदी।प्रोफेसरसत्यकाम ने आशाव्यक्त की किसभी क्षेत्रीय केंद्रसमन्वयकों के सहयोग से इस बारहम एक लाख की छात्र संख्या का लक्ष्य अवश्य पूराकरलेंगे।

महाकुंभमेंकुलपति ने कियामुक्तविश्वविद्यालय के जागरूकताशिविर का भूमिपूजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के सेक्टर 7, अनंतमाधवमार्ग, महाकुंभनगरमेंस्थितदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर का शुक्रवारदिनांक 10 जनवरी, 2025 कोमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने सपत्नीकविधिवतमंत्रोच्चार के साथभूमिपूजनकिया। इस अवसरपरउन्होंनेमहाकुम्भमेला के सकुशलआयोजन की मां गंगा से कामनाकी।

प्रारम्भमेंकुलपति एवंअन्य अधिकारियों का स्वागतदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर के नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरिया ने किया। इस अवसरपरकुलसचिवकर्नलविनय कुमार, वित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा, निदेशकप्रोफेसरआशुतोषगुप्ता, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसरपीकेस्टालिन, प्रोफेसरविनोदकुमारगुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसरश्रुति, प्रोफेसरमीरापाल, प्रोफेसर ए के मलिकआदिशिक्षक एवंकर्मचारीउपस्थितरहे।आभारज्ञापनदूरस्थशिक्षा जागरूकताप्रकोष्ठ के सदस्य तथाजनसंपर्कअधिकारी डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र ने किया।

सपत्नीकविधिवतमंत्रोच्चार के साथभूमिपूजनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

सपत्नीकविधिवतमंत्रोच्चार के साथभूमिपूजनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

सपत्नीकविधिवतमंत्रोच्चार के साथभूमिपूजनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीतथाउपस्थितविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त

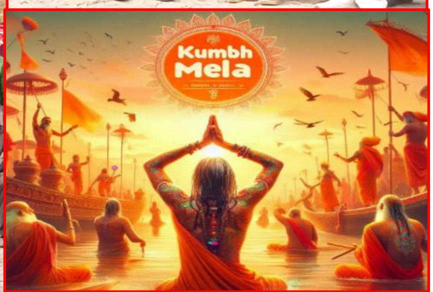
Kumbh
Mela

कुंभ क्षेत्र मेंहमसबकोमानवता की सेवाकरने का अवसरमिलाहै : प्रोफेसरसत्यकाम

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि इस विशालकुंभ क्षेत्र मेंहमसबकोमानवता की सेवाकरने का अवसरमिलाहै ।जिसकीसफलता के लिए विश्वविद्यालय के शिविरकार्यालय का आजभूमिपूजनकियागया। शीघ्रही यह कार्यालय मेलेमेंआनेवाले श्रद्धालुओं एवंस्नानार्थियों की सहायतामेंअपनी अग्रणी भूमिकानिभाएगा ।इसीशिविरकार्यालय से विश्वविद्यालय दूरस्थशिक्षा का प्रचारप्रसारकरलोगोंकोविश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से अवगतकराएगा ।उन्होंनेकहाकिजनवरी सत्र की प्रवेशप्रक्रिया के रजिस्ट्रेशन का कार्यभीकुंभ क्षेत्र के शिविरकार्यालय से संपादितकियाजाएगा ।उन्होंनेबतायाकिविश्वविद्यालय के कुंभगाइडकुम्भमेला क्षेत्र मेंविभिन्नस्थानोंपर श्रद्धालुओं के आवागमनकोसुलभबनाने के लिए उन्हेंसहायताप्रदानकरेंगे ।उन्होंनेकुंभमेला की व्यवस्थापरप्रसन्नताव्यक्तकरतेहुए कहाकिविश्व के इतिहासमेंपहलीबार इतने सुंदरआयोजन से यहांआनेवाले श्रद्धालु [illegible] होंगे ।

महाकुंभ में कुलपति ने किया मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर का भूमि पूजन - बालजी न्यूज़

प्रयागराज १० जनवरी बीके यादव/ बालजी दैनिक उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सेक्टर 7,अनंत माधव मार्ग,

www.baljinews.com

https://www.baljinews.com/vice-chancellor-performed-bhoomi-pujan-of-open-university-camp-in-mahakumbh/

23:00

Prayagraj

Jan 10 2025, 18:42

★★★★★

महाकुंभ में कुलपति ने किया मुक्त विश्वविद्यालय के जागरूकता शिविर का भूमि पूजन

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सेक्टर 7, अनंत माधव मार्ग, महाकुंभनगर में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुम्भ मेला के सकुशल आयोजन की मां गंगा से कामना की। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि इस विशाल कुंभ क्षेत्र में हम सबको मानवता की सेवा करने का अवसर मिला है।

जिसकी सफलता के लिए विश्वविद्यालय के शिविर कार्यालय का आज भूमि पूजन किया गया। शीघ्र ही यह कार्यालय मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों की सहायता में अपनी अग्रणी भूमिका निभाएगा। इसी शिविर कार्यालय से विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा का प्रचार प्रसार कर लोगों को विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से अवगत कराएगा। उन्होंने कहा कि जनवरी सत्र की प्रवेश प्रक्रिया के रजिस्ट्रेशन का कार्य भी कुंभ क्षेत्र के शिविर कार्यालय से संपादित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुंभ गाइड कुम्भ मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के आवागमन को सुलभ बनाने के लिए उन्हें सहायता प्रदान करेंगे।

उन्होंने कुंभमेला की व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व के इतिहास में पहली बार इतने सुंदर आयोजन से यहां आने वाले श्रद्धालु रूबरू होंगे। प्रारम्भ में कुलपति एवं अन्य अधिकारियों का स्वागत दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा, निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर मीरा पाल, प्रोफेसर ए के मलिक आदि शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के सदस्य तथा जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने किया।

कुलपतिपहुंचेगाजीपुर, कियापरीक्षा केंद्र का

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने रविवारदिनांक 12 जनवरी, 2025 कोविश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रकृष्णसुदामाशिक्षणसंस्थान, सादात, गाजीपुर का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरानउन्होंनेपरीक्षा कक्ष मेंजाकरशिक्षार्थियों से प्रश्नपत्र के बारेमेंपूछा।सभीपरीक्षार्थीविश्वविद्यालय की व्यवस्था से संतुष्टदिखे।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवंकेंद्रसमन्वयक से केंद्र की छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहितकिया।उन्होंनेनिर्देशदियाकिपरीक्षा केन्द्रतकपहुंचनेमेंकिसीभीपरीक्षार्थीकोअसुविधा का सामना न करनापड़े।उन्होंनेपूरीपारदर्शिता के साथपरीक्षा आयोजितकरने के निर्देशदिए।उन्होंनेकहाकि यह अध्ययन केंद्र इस क्षेत्र के एक मानकअध्ययन केंद्र के रूपमेंअपनीपहचानस्थापितकरे। इस दिशामेंविश्वविद्यालय हरस्तर का सहयोगप्रदानकरेगा।निरीक्षण के दौरानमाननीय कुलपतिजी के साथ क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसी के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 एस0 के0 सिंह उपस्थितरहे।

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्तविश्वविद्यालय दिसंबर 2024 परीक्षा के सापेक्ष कुलचारपरीक्षा परिणामों की घोषणा

परीक्षा परिणामों की घोषणाकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

दिनांक 16 जनवरी 2025 कोपरीक्षा नियंत्रक द्वारामाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशानुसारदिसंबर 2024 परीक्षा के सापेक्ष कुलचारपरिणाम की घोषणाकी।जिनमेंचारप्रमाणपत्र कार्यक्रमतथा एक डिप्लोमाकार्यक्रमकोसम्मिलितकिया।ज्ञातव्य हैकिदिसंबर 2024 के सत्रांतपरीक्षाएंदिनांक 27 दिसंबर, 2024 से प्रारंभहोकरदिनांक 25 जनवरी, 2025 कोसमाप्तहोरहीहै। इस प्रकारपरीक्षा प्रारंभहोने के 18वें परीक्षा दिवसपरइनपरिणामों की घोषणाप्रारंभहोगईहै। इस अवसरपरमाननीय कुलपतिजी ने सभीकोबधाईदेतेहुए आशाव्यक्त की कीपरिणामों की घोषणामें यूंहीनिरंतरबनीरहेगी। इस अवसरपरपरीक्षा नियंत्रक जी ने विशेषतौरपरकेंद्रीय मूल्यांकनप्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमारजीकोविश्वविद्यालय प्रोग्रामर श्रीमती सीमा सिंह जी के साथ–साथश्रीईश्वरनाथविश्वकर्माजीकोविशेषतौरपरबधाईदेतेहुए माननीय कुलपतिजीको उनके कुशलमार्गदर्शन के लिए धन्यवाददिया। इस अवसरपरप्रोफेसरसत्यपालतिवारी,प्रोफेसर छत्रसाल सिंह,कुलसचिवएवंपरीक्षा नियंत्रक कर्नलविनय कुमार, डॉ0 देवेशरंजन त्रिपाठी, डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, डॉ0सतीशचंद्रजैसल, डॉ0संजय सिंह डॉ0 उपेंद्रतिवारी, श्रीमती रितुकेसरवानी एवंश्रीराजूबारीआदिउपस्थितरहे।

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सत्र जनवरी 2025 की प्रवेश प्रक्रिया को प्रारम्भ कर दिया है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने शुक्रवार को बताया कि यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार छात्रों को अपना आधार और मोबाइल नम्बर लिंक करने के पश्चात ही प्रवेश प्रक्रिया संपादित होगी। इस बार 'सर्टिफिकेट इन कुम्भ स्ट्डीज' के नाम से एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय ने जनवरी सत्र में 23 परास्नातक कार्यक्रमों, 08 स्नातक कार्यक्रमों, 10 जागरूकता कार्यक्रमों, 22 डिप्लोमा कार्यक्रमों व 48 प्रमाण पत्र

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सत्र जनवरी 2025 की प्रवेश प्रक्रिया को प्रारम्भ कर दिया है। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि यू.जी.सी. की गाइडलाइन के अनुसार छात्रों को अपना आधार और मोबाइल नम्बर लिंक करने के पश्चात ही प्रवेश प्रक्रिया संपादित होगी। इस बार 'सर्टिफिकेट इन कुम्भ स्ट्डीज' के नाम से एक नया पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय ने जनवरी सत्र में 23 परास्नातक कार्यक्रमों, 08

~ Dr Rekha Rc Knp +91 7525 048 145

Forwarded

www.livehindustan.com

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/kanpur/story-new-kumbh-studies-course-launched-by-up-university-for-2025-session-201736431420051.html

www.livehindustan.com

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/kanpur/story-new-kumbh-studies-course-launched-by-up-university-for-2025-session-201736431420051.html

Prayagraj राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी सत्र के प्रवेश शुरू

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी 2025 की प्रवेश प्रक्रिया को बुधवार को प्रारम्भ कर दिया।

streetbuzz.co.in

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी सत्र के प्रवेश शुरू

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:55097

मुक्त विवि में प्रवेश शुरू, इस बार 'सर्टिफिकेट इन कुंभ स्टडीज' भी

Prayagraj News: मुक्त विश्वविद्यालय महाकुंभ में श्रद्धालुओं की हर संभव सेवा एवं सहायता को तत्पर : जनवाद टाइम्स

रिपोर्ट विजय कुमार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में शुक्रवार को कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला की

janvadtimes.com

Prayagraj News: मुक्त विश्वविद्यालय महाकुंभ में श्रद्धालुओं की हर संभव सेवा एवं सहायता को तत्पर
https://janvadtimes.com/prayagraj-news-open-university-is-ready-to-provide-all-possible-service-and-help-to-the-devotees-in-maha-kumbh/ 22:2

DR PRABHAT MISHRA

Forwarded

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सहायता के लिए विशेष गाइड तैयार

महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं की हर संभव सहायता और मार्गदर्शन के लिए कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित कर विशेष गाइड तैयार किए जा रहे हैं ।

theswordofindia.com

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सहायता के लिए विशेष गाइड तैयार
https://theswordofindia.com/special-guide-prepared-to-assist-devotees-in-mahakumbh/

रणतूर्य हिंदी दैनिक 8

यूपीआरटीओयू में नए सत्र का नामांकन शुरू, उठाए लाभ

● व्यवसाय के साथ साक्षर बनाने की अहम कड़ी है यूपीआरटीओयू - डा कुशवाहा

–रणतूर्य संवाददाता

आजमगढ़। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में जनवरी सत्र के नामांकेन का आगाज हो चुका है। इस बावत उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के आजमगढ़ मंडल के क्षेत्रीय समन्वयक डा प्रेम प्रकाश कुशवाहा ने बताया है कि इस ओपेन विश्वविद्यालय के माध्यम से शिक्षार्थी अपने व्यवसायिक दायित्वों के साथ-साथ शिक्षा भी ग्रहण कर सकते है। इसके माध्यम से जनवरी सत्र में कुल 13 स्नातक विषय, 23 स्नाकोत्तर विषय, 53 सटिफिकेट एवं 14 जागरुकता कार्यक्रम कोसेर्ज का नामाकंन शुरू किया गया है। मंडलीय समन्वयक डा कुशवाहा ने आगे बताया कि आजमगढ़ मण्डल के तीनो जिले आजमगढ़, मऊ एवं बलिया के अन्तर्गत कुल 185 महाविद्यालयों के माध्यम सें मंडल में गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवसायिक शिक्षा देकर नित्य नये रोजगार के अवसर सृजन करने में यह विवि महती भूमिका निर्वाह कर रही है।डा. कुशवाहा ने कहा कि सभी शिक्षार्थी क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ से भी विभिन्न कोर्सेज में नामाकंन करा सकते है तथा अपनी कौशल एवं रोजगार के नये द्वार को प्राप्त कर सकते है। समस्त जानकारी के लिए विभिन्न कोर्सेज में नामाकंन प्रक्रिया व अन्य समस्याओं के लिए शिक्षार्थी सहायता मोबाइल 7525048041 व क्षेत्रीय केन्द्र, बेलइसा सलारपुर रोड, आजमगढ़ पर सम्पर्क कर सकते है।

मुक्तविश्वविद्यालय द्वारादूरस्थशिक्षा की प्रासंगिकताविषय परविचारगोष्ठी का आयोजन

मंचासीनमाननीय अतिथिगण

महाकुंभमेंकुम्भअध्ययन मेंप्रमाणपत्र मेंप्रवेश के लिए मुक्तविश्वविद्यालय ने चलायाअभियान

दूरदर्शन एवंआकाशवाणी के पूर्वनिदेशककोबनायापहलाविद्यार्थी

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के महाकुंभमेला क्षेत्र मेंअनंतमाधवमार्गसेक्टर 7 महाकुंभनगरस्थितदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमें शनिवारदिनांक 18 जनवरी, 2025 कोमहाकुंभमेंदूरस्थशिक्षा की प्रासंगिकताविषय परविचारगोष्ठी का आयोजनकियागया।समारोह के विशिष्टअतिथिदूरदर्शनमुख्यालय प्रसारभारतीमेंपूर्वअपरमहानिदेशकलीगलश्री एस0 सी0 मिश्राजीरहेतथाअध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने विश्वविद्यालय के वरिष्ठतमकर्मचारीश्रीराकेशकुमारश्रीवास्तवकोभीमेलाशिविरमेंसम्मानितकिया। इस अवसरपरप्रोफेसरविनोदकुमारगुप्ता, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसरपी के पाण्डेय, प्रोफेसरमीरापालतथा डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र ने विचारव्यक्तकिये।संचालन एवंअतिथियों का स्वागतनोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरिया ने एवंधन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया।समारोहमेंवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा, प्रोफेसरपीकेस्टालिन, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर रुचि बाजपेईआदिउपस्थितरहे।प्रारंभमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमेंपुस्तकप्रदर्शनी का उद्घाटनकिया।

दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमेंपुस्तकप्रदर्शनी का उद्घाटनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमेंपुस्तकप्रदर्शनी का अवलोकनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी व अन्य

संचालन एवंअतिथियों का स्वागतकरतेहुए नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरिया

मॉसरस्वती के प्रतिमापरमाल्यार्पणकरतेहुए माननीय अतिथिगण

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति

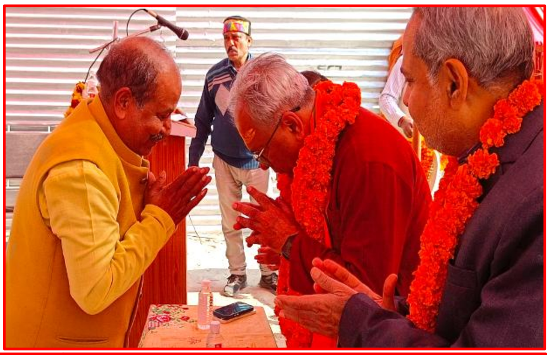

माननीय अतिथियों

को

पुष्पगुच्छभेंट

कर

उनकास्वागतकरतेहुए

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अपने–अपनेविचारव्यक्तकरतेहुए प्रोफेसरविनोदकुमारगुप्ता, प्रोफेसरसत्यपालतिवारी, प्रोफेसरपी के पांडेय, प्रोफेसरमीरापालतथा डॉ प्रभातचन्द्रमिश्र

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र भेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विश्वविद्यालय के वरिष्ठतमकर्मचारीश्रीराकेशकुमारश्रीवास्तवकोभीमेलाशिविरमेंसम्मानितकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी

दूरस्थशिक्षा एक वरदानहै : एस सीमिश्रा

समारोह के विशिष्टअतिथिदूरदर्शनमुख्यालय प्रसारभारतीमेंपूर्वअपरमहानिदेशकलीगलश्री एस सीमिश्रा ने कहाकिदूरस्थशिक्षा की प्रासंगिकतातभीपूरीहोगीजब यह हरव्यक्तिकोप्राप्तहो।जिन्हेंनियमितशिक्षा ग्रहणकरने का अवसरनहीं मिल पाता उनके लिए दूरस्थशिक्षा एक वरदानहै।मुक्तविश्वविद्यालय को इस दिशामेंप्रयासकरनाचाहिए औरजोउच्चशिक्षा ग्रहणकरनाचाहताहै उन तकदूरस्थशिक्षा अवश्य पहुंचानीचाहिए।महाकुंभ क्षेत्र मेंस्थित इस तरह के जागरूकताशिविर यह कार्यबहुतआसानी से करसकतेहैं।

मुक्तविश्वविद्यालय से करेंकुम्भ का अध्ययन –प्रोफेसरसत्यकाम

विचारगोष्ठी की अध्यक्षताकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिविश्वविद्यालय महाकुंभ क्षेत्र मेंकुंभअध्ययन मेंप्रमाणपत्र कार्यक्रममेंअधिक से अधिकलोगोंकोप्रवेशदिलाने के लिए प्रचारअभियान शुरू करेगा।उन्होंनेइसकी शुरुआतमेलाशिविरकार्यालय से हीप्रारंभ की औरविश्वविद्यालय के शिक्षकों एवंकर्मचारियोंकोप्रवेशलेने के लिए प्रेरितकिया।जिसकेअंतर्गतऑन द स्पॉटप्रवेशलेनेवालोंमेंसमारोह के विशिष्टअतिथिदूरदर्शन एवंआकाशवाणी के पूर्वनिदेशकश्री एस सीमिश्रपहलेविद्यार्थीबने।शिविरमेंहीऑन द स्पॉट 100 से ज्यादालोगों ने पंजीकरण के लिए अपना नाम दर्जकराया।जिनमेंविश्वविद्यालय की प्रथममहिला श्रीमती सीमासत्यकामतथाविश्वविद्यालय के चिकित्सकपरामर्शदाता डॉ शशिकुमार शर्माप्रमुख रहे।

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय ने राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल के कुशलमार्गदर्शनमेंपहलीबारकुंभअध्ययन मेंप्रमाणपत्र कार्यक्रमप्रारंभकियाहै।जिसमेंमहाकुंभ से संबंधितसभीजानकारियांसमाहित की गईहैं।महाकुंभआनेवालेप्रत्येक श्रद्धालुकोइसमेंप्रवेशलेनाचाहिए जिससेउन्हेंकुंभ के बारेमेंअधिक से अधिकजानकारीप्राप्तहोसकेगी।उन्होंनेकहाकि इस समय पूरीदुनिया का ध्यानप्रयागराज के महाकुंभपरलगाहै।अतः ऐसेमेंमुक्तविश्वविद्यालय ने अपनीनैतिकजिम्मेदारी का निर्वाहकरतेहुए उन सभी के लिए 6 महीने का यह प्रमाणपत्र कार्यक्रमप्रारंभकियाहै।जिसमेंकुंभ के आयोजन से लेकरसभीतथ्योंकोसमाहितगयाहै।इसकाअध्ययन पूर्णकरने के बादविश्वविद्यालय की तरफ से उन्हें एक विशिष्टप्रमाणपत्र प्रदानकियाजाएगा।उन्होंनेदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर के नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरियाकोनिर्देशितकियाकि इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम से संबंधितजानकारीमहाकुंभमेंसभीसेक्टरमें श्रद्धालुओंकोकुंभगाइड के माध्यम से पैम्फलेटवितरितकरवाकरदीजाए।

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमेंविश्वविद्यालय स्वास्थ्य सहायताशिविरलगाकरमेलेमेंआनेवाले श्रद्धालुओं के सेवाकार्यमेंतत्पररहेगा।इसकेलिए यहांविश्वविद्यालय के चिकित्सकउपलब्धरहेंगे।

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

राष्ट्रगान

राज्यपाल ने मुविवि के कुम्भअध्ययन कोर्स की सराहना

कुलपति ने भेंट की पाठ्यसामग्री

माननीयाराज्यपाल एवंकुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेलकोकुम्भअध्ययन से संबंधित नए प्रमाणपत्र कार्यक्रम की पुस्तकभेंटकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

प्रयागराज : उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ने महाकुंभ के महत्वऔरभव्यता से जनमानसकोजागरूककरने के लिए कुम्भअध्ययन पर 6 माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रमतैयारकियाहै।विश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने आजमहाकुंभनगरमेंप्रदेश की माननीयाराज्यपाल एवंकुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेलकोकुम्भअध्ययन से संबंधित नए प्रमाणपत्र मेंप्रवेशप्रारंभकरने के बारेमेंबतायाऔरइससेसम्बन्धितपाठ्यसामग्रीभेंटकी।
राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल ने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहनाकरतेहुए अधिक से अधिकलोगोंको इस कार्यक्रम के बारेमेंजानकारीदेने के लिए अभियानचलाने का निर्देशदिया।ज्ञातव्य होकिराज्यपाल श्रीमती पटेल ने मुक्तविश्वविद्यालय कोनिर्देशितकियाथाकिमहाकुम्भजैसेपुनीतअवसरपरवहअपनीनैतिकजिम्मेदारियों का निर्वाहकरतेहुए अधिक से अधिकलोगोंकोमहाकुंभ के बारेमेंजानकारीप्रदानकरे।

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने बतायाकिराज्यपाल श्रीमती पटेल के मार्गदर्शनमें इस कोर्स का निर्माणविद्वानलेखकमंडल द्वारा मात्र डेढ़ महीनेमेंकियागयाऔरपाठ्यसामग्रीतैयारहोतेहीजनवरी 2025 में यह कार्यक्रमलॉन्चकरदियागया।जिसकालाभमहाकुंभ क्षेत्र मेंआनेवालेकरोड़ों श्रद्धालुओंकोमिलेगा।विश्वविद्यालय ने इससेसंबंधितपाठ्यसामग्रीऑनलाइनकरदीहै। इस छह महीने के सर्टिफिकेटकोर्स का लाभदेशभरमेंलोगउठासकतेहैं।महाकुंभपरप्रारम्भकियागया यह कोर्सभारत की आध्यात्मिकधरोहरकोगहराई से जाननेमेंमददकरेगा।प्रोफेसरसत्यकाम ने बतायाकि इस कोर्स का उद्देश्य नईपीढ़ी कोकुम्भ की महत्ता के बारेमेंजागरूककरनाहै।महाकुंभ 2025 के इस सर्टिफिकेटकोर्समेंसाधु–संतों के पारंपरिक शाहीस्नान से जुड़ीजानकारी शामिल की गयीहै।इसकेअलावामहाकुंभ के दौरानआयोजितहोनेवालेउत्सवोंऔरउनकीविशेषताओंकोभी शामिलकियागयाहै।कोर्समेंमहाकुंभ के इतिहास का बखूबीवर्णनकियागयाहै। युवापीढ़ी इस कोर्समेंकुम्भऔरकल्पवास के फायदेऔरमहत्व के बारेमेंभीअध्ययन करसकेगी।इससेपहले एकमात्र मुक्तविश्वविद्यालय ने 2019 मेंकुंभपरजागरूकतापाठ्यक्रम शुरू कियाथा।इसमेंकुंभ की विशेषताओं के साथ–साथ योग के विषय कोभी शामिलकियागयाथा।

राज्यपाल ने मुविवि के महाकुंभ अध्ययन कोर्स...

कहा- नई पीढ़ी को कुम्भ के बारे में जानने में...

dainik.bhaskar.com

राज्यपाल ने मुविवि के महाकुंभ अध्ययन कोर्स की तारीफ की: कहा- नई पीढ़ी को कुम्भ के बारे में जानने में मिलेगी मदद, पाठ्य सामग्री भेंट की

https://dainik.bhaskar.com/i6mNo1ghjQb 21:38

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

मेला क्षेत्र में राज्य विवि की ओर से आयोजित संवाद में बोलीं राज्यपाल आनंदी बेन

बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को शिक्षित करना सबकी जिम्मेदारी

महाकुम्भ नगर, कार्यालय संवाददाता। महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर आठ स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय के शिविर में सोमवार को शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद करते हुए महाकुम्भ में किए जा रहे शोध कार्यों को सराहा। उन्होंने विद्यार्थियों को महाकुम्भ के दौरान सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा दी।

राज्यपाल ने कहा कि गरीबों की सच्ची सेवा वही है जो उनके भविष्य को बदलने में सहायक हो। समाज में प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है और समाज के सभी सदस्यों की यह जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को शिक्षित करें, ताकि वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों को प्रदेश सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी मिलती है, जिससे वे उन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। यह केवल परिश्रम और अनुशासन से ही प्राप्त होती है। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और पूरे समर्पण के साथ अपने सपनों को साकार करें। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. विनीता यादव, प्रो. विवेक कुमार सिंह, प्रो. राजकुमार गुप्ता, डॉ. अतुल कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

मेला क्षेत्र के सेक्टर आठ स्थित राज्य विश्वविद्यालय के शिविर में आयोजित संवाद में बोलती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

राज्यपाल ने कुम्भ अध्ययन कोर्स की सराहना की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने महाकुम्भ के महत्व और भव्यता से जनमानस को जागरूक करने के लिए कुम्भ अध्ययन पर छह माह का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने सोमवार को महाकुम्भ नगर में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल को कुम्भ अध्ययन से संबंधित नए प्रमाण पत्र में प्रवेश प्रारंभ करने के बारे में बताया और पाठ्य सामग्री भेंट की। राज्यपाल ने इस प्रयास की सराहना की। कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र में प्रवेश लेने वालों की रुचि को देखते हुए कुलपति ने आईसीटी सेल को वेबसाइट की क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया है।

राज्यपाल ने मुविवि के कुम्भ अध्ययन कोर्स को सराहा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने महाकुंभ के महत्व और भव्यता से जनमानस को जागरूक करने के लिए कुम्भ अध्ययन पर छह माह का प्रमाण पत्र कार्यक्रम तैयार किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने महाकुंभ नगर में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल को कुम्भ अध्ययन से संबंधित नए प्रमाण पत्र में प्रवेश प्रारंभ करने के बारे में बताया और इससे सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भेंट की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के प्रयास की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने मुक्त विश्वविद्यालय को निर्देशित किया था कि महाकुम्भ जैसे पुनीत अवसर पर वह अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए अधिक से अधिक लोगों को महाकुंभ के बारे में जानकारी प्रदान करें। कुलपति प्रो सत्यकाम ने बताया कि राज्यपाल के मार्गदर्शन में उक्त कोर्स का निर्माण विद्वान लेखक मंडल द्वारा मात्र डेढ़ महीने में किया गया और पाठ्य सामग्री तैयार होते ही जनवरी 2025 में यह कार्यक्रम लांच कर दिया गया। जिसका लाभ महाकुंभ क्षेत्र में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को मिलेगा। विश्वविद्यालय ने इससे संबंधित पाठ्य सामग्री ऑनलाइन कर दी है। छह महीने के सर्टिफिकेट कोर्स का लाभ देश भर में लोग उठा सकते हैं। महाकुंभ पर प्रारम्भ किया गया यह कोर्स भारत की आध्यात्मिक धरोहर को गहराई से जानने में मदद करेगा। प्रो सत्यकाम ने बताया कि इस कोर्स का उद्देश्य नई पीढ़ी को कुम्भ की महत्ता के बारे में जागरूक करना है। महाकुंभ 2025 के इस सर्टिफिकेट कोर्स में साधु संतों के पारंपरिक शाही स्नान से जुड़ी जानकारी शामिल की गयी है। इसके अलावा महाकुंभ के दौरान आयोजित होने वाले उत्सवों और उनकी विशेषताओं को भी शामिल किया गया है। कोर्स में महाकुंभ के इतिहास का बखूबी वर्णन किया गया है। युवा पीढ़ी इस कोर्स में कुम्भ और कल्पवास के फायदे और महत्व के बारे में भी अध्ययन कर सकेगी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के इस एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय ने 2019 में कुंभ पर जागरूकता पाठ्यक्रम शुरू किया था। इसमें कुम्भ की विशेषताओं के साथ साथ योग के विषय को भी शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि इस कोर्स की लांचिंग के बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विजिट करने वालों की संख्या हजारों में पहुंच गई है। कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र में प्रवेश लेने वालों की रुचि को देखते हुए कुलपति ने आईसीटी सेल को वेबसाइट की क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया है।

मुविवि के कुम्भशिविरमेंचिकित्साशिविरलगायागया

मुक्तविश्वविद्यालय मेंराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

****

मनुष्य कोमनुष्य बनानासबसेबड़ामानवीय मूल्य–प्रोफेसरझा

शिक्षा कौशल एवंमूल्य आधारितहोनाचाहिए : प्रोफेसरसाहू

शिक्षा व्यवस्थामूल्ययुक्तहोनीचाहिए : प्रोफेसरसत्यकाम

****

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधानमेंबदलते शैक्षिकपरिदृश्य मेंमानवीय मूल्य विषय परराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजनदिनांक 22 जनवरी, 2025 कोसरस्वतीपरिसरस्थितलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंपूर्वाह्न 10:30 बजेकियागयाहै।उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथिप्रोफेसर पी0 के0 साहू, पूर्वकुलपति, इलाहाबादविश्वविद्यालय एवंबीजवक्ताप्रोफेसरअरविंदकुमारझा, आचार्य, इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्लीरहे।राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालनप्रो. छत्रसाल सिंह ने किया।शिक्षा विभाग के निदेशकप्रोफेसरपी.के. स्टालिन ने अतिथियों का वाचिकपरिचय एवंस्वागतकिया।आयोजनसचिव डॉ बालगोविंद सिंह ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की तथाआभारज्ञापन डॉ. दिनेश सिंह, सहआचार्य, शिक्षा विद्याशाखा ने किया।राष्ट्रीय संगोष्ठीमेंदेशभर के आए 100 से अधिकप्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुतकिये।राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य आकर्षणअतिथियोंकोप्रयागराज के महाकुंभ का गंगाजलकुंभकलशमेंभेंटकियागया।

माननीय अतिथियों का स्वागतकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंकुलपतिजी का स्वागतकरतेहुए प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

कुलगीत की प्रस्तुती

राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालनकरतेहुए प्रो. छत्रसाल सिंह

अतिथियों का वाचिकपरिचय एवंस्वागतकरतेहुए शिक्षा विभाग के निदेशकप्रोफेसरपी.के. स्टालिन

संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुतकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ बालगोविंद सिंह

मनुष्य कोमनुष्य बनानासबसेबड़ामानवीय मूल्य–प्रोफेसरझा

संगोष्ठी के बीजवक्ताप्रोफेसरअरविंदकुमारझा, आचार्य, इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली ने कहाकिकर्म से बढ़करकोईमूल्य नहींहै।मानवमेंजोमानवीयताहैउसकामूल्य एक होगा।मनुष्य कोमनुष्य बनानासबसेबड़ामानवीय मूल्य है।प्रोफेसरझा ने मानवमूल्य एवंमानवीय मूल्योंकोरेखांकितकिया।उन्होंनेविभिन्नविद्वानों के विचारप्रस्तुतकरतेहुए कहाकिमस्तिष्क का विकाससिर के अंदरहोताहैजबकि एक अन्य विचारक के अनुसारमस्तिष्क का विकासवातावरण एवंउसकेअनुभव द्वाराहोताहै।उन्होंनेगणितीय दृष्टिकोण से मूल्योंकोउद्घाटितकिया।

शिक्षा कौशलएवंमूल्य आधारितहोनाचाहिए : प्रोफेसरसाहू

मुख्य अतिथिप्रोफेसरपी के साहू, पूर्वकुलपति, इलाहाबादविश्वविद्यालय ने मूल्यों की व्याख्या की तथाशिक्षा कौशलएवंमूल्य आधारितहोनाचाहिए तथा दक्षता की बातकरतेहुए विभिन्न दृष्टांततथाउदाहरण के द्वारामानवीय मूल्योंकोरेखांकितकिया।उन्होंनेमूल्यों के व्यापरीकरण की शिक्षा परचिंताजाहिरकरतेहुए सापेक्षिकमूल्य

माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंकलशभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंकुलपतिजीकोअंगवस्त्र, स्मृतिचिन्ह एवंकलशभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

शिक्षा व्यवस्थामूल्ययुक्तहोनीचाहिए : प्रोफेसरसत्यकाम

राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसरसत्यकाम, कुलपति, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ने शिक्षा मेंमूल्योंको बढ़ावादेनेहेतुउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के स्नातकपाठ्यक्रमोंमेंगीतासार एवंकुम्भअध्ययन जैसेसाहित्य कोजोड़ने का संकल्पलिया।प्रोफेसरसत्यकाम ने शिक्षा एवंमूल्य की बिल्कुलनईअवधारणादंड की विषदचर्चा की तथादक्षिणभारतमेंशिक्षा के प्रचलितअर्थोंमेंदंड की अवधारणा की भीचर्चाकी।उन्होंनेकहाकिभोजपुरीमेंभीशिक्षा का अर्थदंड के रूपमेंप्रचलितहै।शिक्षा व्यवस्थामूल्ययुक्तहोनीचाहिए।

आभारज्ञापनकरतेहुए सहआचार्य, शिक्षा विद्याशाखा डॉ. दिनेश सिंह

राष्ट्रगान

समापन सत्र

स्मापन स़त्र का संचालनकरतीहुई श्रीमती कुमुदी शुक्ला

अतिथियों का वाचिकपरिचय एवंस्वागतकरतेहुए शिक्षा विभाग के निदेशकप्रोफेसरपी.के. स्टालिन

संगोष्ठी की रिर्पोटप्रस्तुतकरतेहुए आयोजनसचिव डॉ बालगोविंद सिंह

मुख्य अतिथि प्रो0 धनन्जय चोपडाजी का स्वागत एवंसम्मानकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

संगोष्ठीमेंसम्बोधितकरतेहुए माननीय कुलपतिजी

कवितापाठमेंप्रथममुविवि की छात्रा कोराज्यपाल ने कियासम्मानित

लौहपुरुष की जयंती के अवसरपरराजभवनमेंआयोजितहुईप्रतियोगिताएं

राज्यपाल ने कियालौहपुरुष सरदारवल्लभभाईपटेल की 148वीं जयंतीपरराजभवनमेंआयोजितदोदिवसीय प्रतियोगिता का समापन

प्रतियोगितामेंराज्य विश्वविद्यालयों एवंउनसे संबद्ध महाविद्यालयों के कुल 90 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वकभागलिया

प्रतिभागियों की प्रस्तुतियोंपरआधारितपुस्तकनिर्माण का निर्देश

राज्यपाल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयोंमेंसंरक्षितहजारोंवर्षोंपुरानीपांडुलिपियों का उल्लेख करतेहुए विद्यार्थियोंकोइनपर शोधकरनेऔरभारत की सांस्कृतिकधरोहरको समझने के लिए प्रेरितकिया

प्रकृति के हरपहलू से हमेंसीखनेऔरलिखने के लिए प्रेरणामिलतीहै
–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेनपटेल

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की छात्रा ने राज भवनमेंलौहपुरुष सरदारबल्लभभाईपटेल की 148 वींजयंती एवंराष्ट्रीय एकतादिवस के अवसरपरआयोजितकवितापाठप्रतियोगितामेंप्रथमस्थानप्राप्तकरराज्यपाल एवंकुलाधिपति केहाथों से प्रमाणपत्र एवंसम्मानग्रहणकिया |सुश्री त्रिपाठी के प्रथमस्थानप्राप्तकरनेपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने उन्हेंबधाईदी।

प्रथमस्थानप्राप्तकरनेपरआयुषी त्रिपाठीकोप्रमाणपत्र एवंरानीपद्मावती के जीवन परआधारितपुस्तकभेंटकरसमानितकरतीहुईउत्तरप्रदेश की माननीयाराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल ने प्रदान

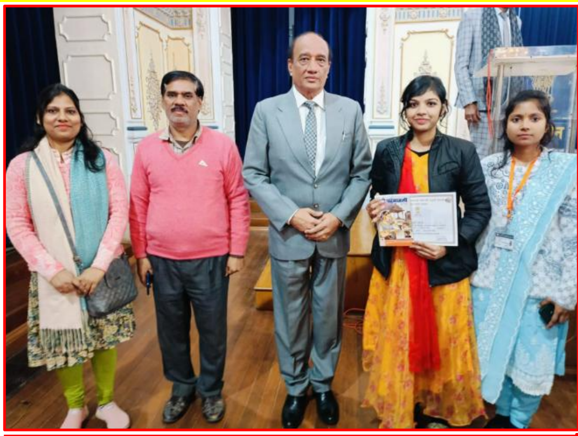

दिनांक 21 – 22 जनवरीकोराजभवनमेंप्रदेश के सभीविश्वविद्यालयों से चयनितप्रतिभागियोंकोविभिन्नप्रतियोगिताओंमें शामिलहोने के लिए आमंत्रित कियागयाथा। 22 जनवरीकोहुईकवितापाठप्रतियोगितामेंआयुषी त्रिपाठी ने विभिन्नविश्वविद्यालयों के 18 प्रतिभागियोंकोपीछेछोड़तेहुए प्रथमस्थानप्राप्तकिया। इस अवसरपरउन्हेंमाननीयाराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल ने प्रमाणपत्र एवंरानीपद्मावती के जीवन परआधारितपुस्तकप्रदानकी।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयन्ती
राष्ट्रीय एकता दिवस

प्रमाण पत्र

श्री/श्रीमती/कुमारी ....आयुषी त्रिपाठी............
ने दिनांक : 21-22 जनवरी, 2025 को राजभवन, उत्तर प्रदेश लखनऊ में आयोजित
राज्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों की ....कविता पाठ........प्रतियोगिता
में भाग लिया एवं ......प्रथम....... स्थान प्राप्त किया।
मैं इनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ रहने की कामना करती हूँ।

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

मूलत रू बांदा की रहनेवालीआयुषी के पिताश्रीसुधीरकुमार त्रिपाठीहमीरपुरनिर्वाचनविभागमेंप्रधानसहायकहैं।वहप्रयागराजमेंअपनेछोटेभाई के साथरहकरपढ़ाईकररहीहैं।साहित्यिकगतिविधियोंमें रुझान होने के कारणउन्होंनेमुक्तविश्वविद्यालय मेंइसीवर्ष एम ए हिंदीप्रथमवर्षमेंप्रवेशलियाहै।

मुक्तविश्वविद्यालय ने लीमतदाता शपथ

राष्ट्रीय मतदातादिवस की शपथलेतेहुए कार्यवाहककुलपति एवंविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरआशुतोषगुप्ता, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंसभीशिक्षक एवंकर्मचारीगण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंराष्ट्रीय मतदातादिवस के अवसरपरविश्वविद्यालय के गंगापरिसरमेंदिनांक 25 जनवरी, 2025 कोपूर्वाह्न 11:00 बजेमतदाता शपथदिलाईगई। 15 वेंराष्ट्रीय मतदातादिवस के अवसरपरविश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियोंतथाछात्रों ने शपथलेतेहुए कहाकिवोटजैसाकुछनहीं, वोटजरुरडालेंगेहम। इस अवसरपरकार्यवाहककुलपति एवंविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरआशुतोषगुप्ता, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंसभीशिक्षक एवंकर्मचारीउपस्थितरहे।

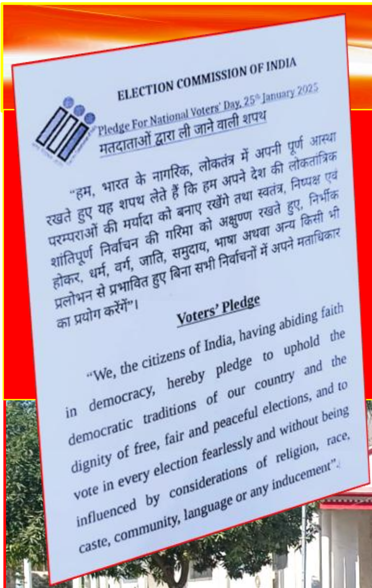

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Pledge For National Voters' Day, 25th January 2025

मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ

"हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एव शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें"।

Voters' Pledge

"We, the citizens of India, having abiding faith in democracy, hereby pledge to uphold the democratic traditions of our country and the dignity of free, fair and peaceful elections, and to vote in every election fearlessly and without being influenced by considerations of religion, race, caste, community, language or any inducement".

राष्ट्रीय मतदातादिवस की शपथलेतेहुए कार्यवाहककुलपति एवंविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरआशुतोषगुप्ता,
कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंसभीशिक्षक एवंकर्मचारीगण

गणतन्त्र दिवससमारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2025 कोविश्वविद्यालय मेंगणतन्त्र दिवससमारोहआयोजितकियागया।जिसमेंमाननीयाकुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार, सभीविद्या शाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवंछात्र–छात्राएंआदिउपस्थितरहे।

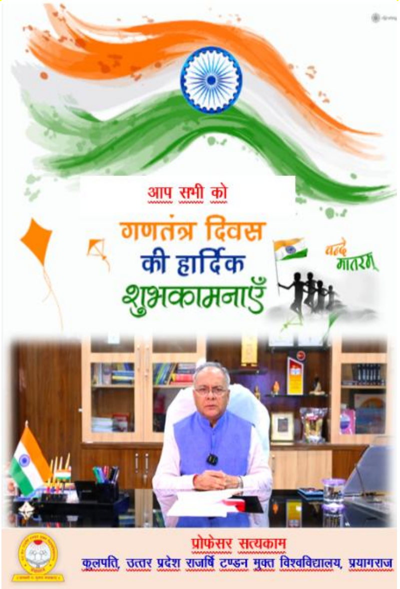

ध्वजारोहण के लिए जातेहुए माननीय कुलपति, प्रोफेसरसत्यकामजीतथासाथमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमार

ध्वजारोहणकरतेहुए माननीयाकुलपति, प्रोफेसरसत्यकामजी
एवंउपस्थितविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

jk"Vªxkudjrsgq, fo'ofo|ky; ifjokj ds lnL;x.kA

राष्ट्र के विकासमेंमुक्तविश्वविद्यालय की भूमिकामहत्वपूर्ण–कुलपति

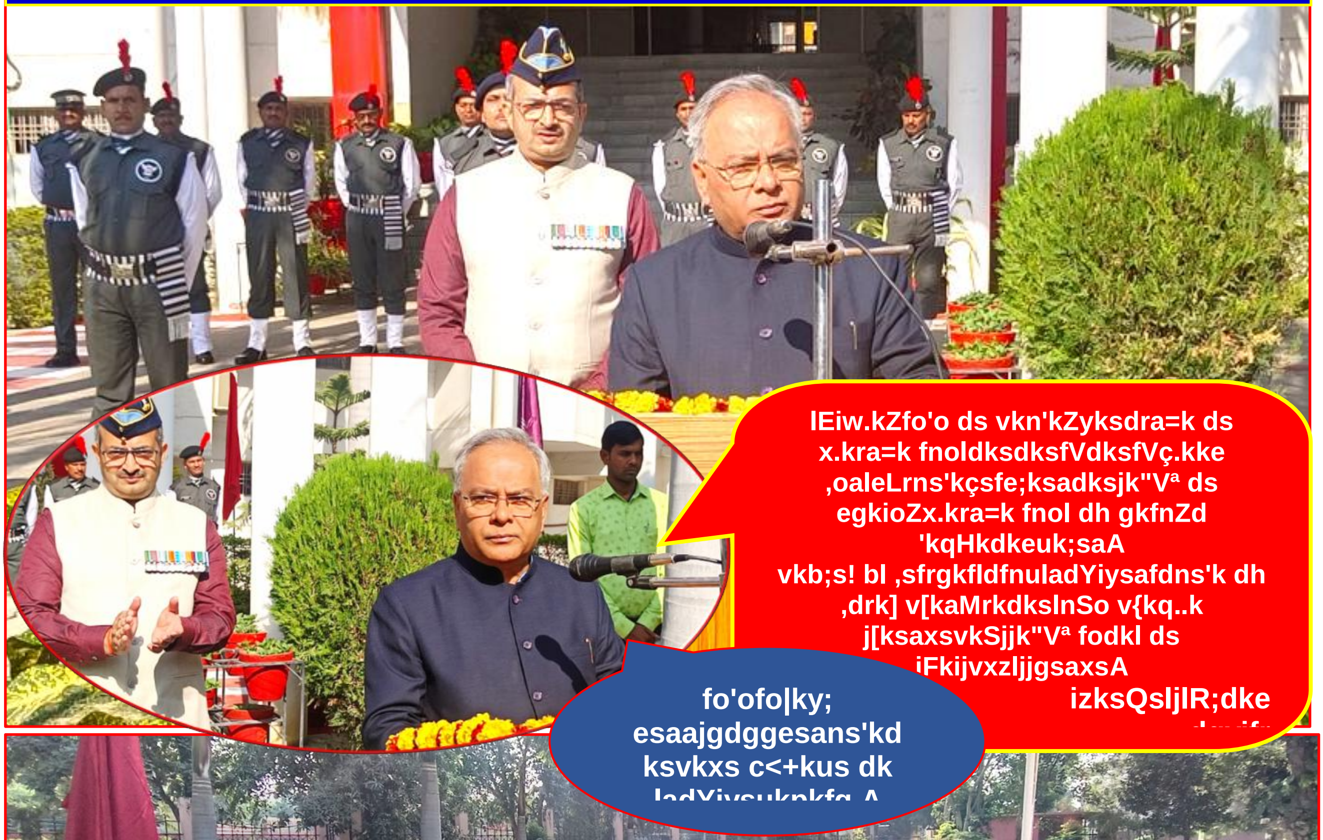

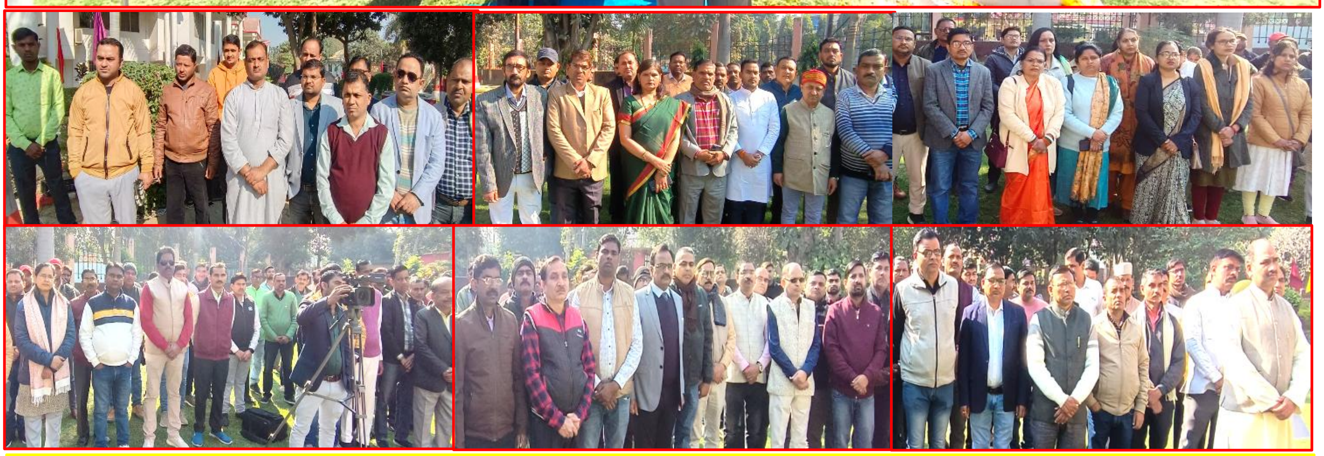

मुक्तविश्वविद्यालय मेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने किया ध्वजारोहण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंगणतंत्र दिवस के अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने ध्वजारोहणकिया । इस अवसरपरउन्होंनेकहाकिराष्ट्र के विकासमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय पूरेप्रदेशमेंलोगोंकोशिक्षा प्रदानकरअपनीमहत्वपूर्णभूमिका का निर्वाहकररहाहै।

विश्वविद्यालय की स्व अध्ययन पाठ्यसामग्रीसर्वश्रेष्ठपाठ्यसामग्रीहै।उन्होंनेसभीशिक्षकोंकोप्रेरितकरतेहुए कहाकिजुलाई सत्र के लिए सभीविषयोंमें100% स्व अध्ययन सामग्रीशिक्षार्थियोंकोदेने के लिए अभी से तैयारकरलीजाएं।उन्होंनेकहाकिराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय कोपूरेप्रदेशमेंसेवाकरने का अवसरमिलाहै।पूरेप्रदेशमेंहमारेविद्यार्थीमुक्तविश्वविद्यालय के नाम कोआगे बढ़ा रहेहैं।शिक्षार्थियों की सेवाविश्वविद्यालय के लिए सर्वोपरिहै।

प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिविश्वमेंभारतपहलाराष्ट्र है, जहांगणतंत्र की स्थापनासबसेपहलेहुई।हमेंलोकतंत्र की गरिमाकोबनाए रखनाहै।भारतकोकईवर्षतककठिनाइयों से गुजरनापड़ा।राष्ट्र के विकासमेंकईमहापुरुषों का अमूल्य योगदानहै।

विश्वविद्यालय की छात्रा आयुषी त्रिपाठी के राज भवनमेंलौहपुरुष सरदारबल्लभभाईपटेलजयंती के अवसरपरआयोजितकवितापाठमेंपूरेप्रदेशमेंप्रथमस्थानप्राप्तकरनेपरउन्होंने घोषणा की किआयुषी की आगे की शिक्षा का शुल्कविश्वविद्यालय वहनकरेगा।उन्होंनेविश्वविद्यालय के शोधछात्रों से कुम्भ क्षेत्र मेंजाकरज्ञानार्जन की अपीलकी।उन्होंनेरिसर्चगाइड से अपने शोधछात्रोंकोमहाकुंभ की भव्यता का वर्णनकरने के लिए उत्प्रेरितकरने की अपीलकी।इसकेसाथहीकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने महाकुम्भ के अवसरपरविश्वविद्यालय द्वाराप्रारम्भकिए गए कुम्भअध्ययन मेंप्रमाणपत्र कार्यक्रममेंबम्पर छूट प्रदानकरतेहुए प्रवेश शुल्क मात्र ₹500 करने की घोषणाकी।उन्होंनेकहाकिमहाकुंभ के इस अवसरपर इस सुविधा का लाभहजारोंलाखोंलोग एक साथउठासकतेहैं।उन्होंनेकहाकिविश्वविद्यालय का दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमौनीअमावस्या एवंबसंतपंचमी के अवसरपरदेशभर से आनेवालेस्नानार्थियोंकोअपनेशिविरमेंठहराने के लिए तत्परहै।जिसकेलिए विश्वविद्यालय ने पर्याप्तव्यवस्था की है।

इस अवसरपरकुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंविश्वविद्यालय परिवार के सभीसदस्य उपस्थितरहे।

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के
साथविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के
साथविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

बड़े भाई श्री राकेश श्रीवास्तव के सेवानिवृत होने पर उन्हें सम्मानित करते माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य